आइआइएम के दीक्षा समारोह को कोलगेट पामोलिव इंडिया लिमिटेड की प्रबंध निदेशक प्रभा नरसिम्हन ने किया संबोधित, 595 विद्यार्थियों को उपाधियां

सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ करें पद, प्रतिभा का उपयोग

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर: आज हम परंपरा और नवाचार के चौराहे पर खड़े हैं, जहां अतीत भविष्य से मिलता है। आज केवल उपलब्धियों के बारे में नहीं है, बल्कि आप में से प्रत्येक के भीतर की क्षमता को पहचानने का दिन है। समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें यह अवसर देती है कि हम अपने पद, प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग कर सामाजिक बदलाव में योगदान दें।

ये बातें कोलगेट पामोलिव इंडिया लिमिटेड की प्रबंध निदेशक व मुख्य अतिथि प्रभा नरसिम्हन ने कही। नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंध संस्थान(आइआइएम) का मंगलवार को 14वां दीक्षा समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षा समारोह को संबोधित करती हुई प्रभा नरसिम्हन ने कहा कि भविष्य अब आपके हाथ में हैं, और एक टिकाऊ विश्व के निर्माण की जिम्मेदारी भी आप पर ही है। जीवन में चुनौतियां बहुत आती है। प्रत्येक चुनौती आगे बढ़ने, सीखने और आगे की राह के लिए बेहतर ढंग से तैयार होने का अवसर है। उन्होंने आगे कहा कि मेरे लिए लीडरशिप व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने से कहीं बढ़कर है। हम ऐसी संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं, जहां सब लोग योगदान करने, मूल्यवान महसूस करने और सामूहिक दृष्टिकोण साझा करने के लिए प्रेरित हों। सच्चा नेतृत्व ईमानदारी, सहानुभूति और हमारे द्वारा बनाए गए मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है। प्रत्येक व्यक्ति सफल हो सके और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके।

सामाजिक योगदान: हमारी यात्रा का असली सार ताकत, इनावेशन और लीडरशिप से कहीं अधिक है। इसके मूल में समाज को वापस देने की जिम्मेदारी बड़ा उद्देश्य है। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और कल्याण कुछ लोगों के लिए विशेषाधिकार नहीं होना चाहिए, बल्कि सभी के लिए सुलभ बुनियादी अधिकार होना चाहिए।

छात्र को डिग्री देतीं मुख्य अतिथि प्रभा नरसिम्हन व डायरेक्टर प्रो. राम कुमार ककानी। ● नईदुनिया

आइआइएम में आयोजित दीक्षा समारोह में गोल्ड मेडल और डिग्री हासिल करने के बाद खुशी मनाते हुए विद्यार्थी। ● नईदुनिया

बदलाव का कारण बनें

प्रभा नरसिम्हन ने कहा कि सामाजिक योगदान के लिए यह प्रतिबद्धता महज एक दायित्व नहीं है, यह एक विशेषाधिकार है। आप सभी अपनी यात्रा की दहलीज पर खड़े हैं। दुनिया को ऐसे लीडर्स की जरूरत है जो उद्देश्य से प्रेरित हों, जो केवल सफलता से संतुष्ट न हों, बल्कि अपनी सफलता को दूसरों को ऊपर उठाने के अवसर के रूप में देखें। आप इनोवेटिव और लीडर हैं, जो कल को परिभाषित करेंगे। भविष्य बनाना आपका काम है, इसका महत्व समझें।

सस्टेनिबिलिटी को अपनाएं

प्रभा नरसिम्हन ने कहा कि आज की दुनिया में स्थिरता सिर्फ एक विकल्प नहीं है, यह एक जरूरत है। हमारे व्यवसाय के हर पहलू में सधारणीय प्रथाओं को एकीकृत करना है। स्थिरता सिर्फ एक चर्चा का विषय या कार्पोरेट एजेंडा नहीं है। यह एक मानसिकता है-जीवन जीने और काम करने का एक तरीका जो आपकी पेशेवर यात्रा में समाहित होना चाहिए। जैसे-जैसे आप भविष्य में कदम रखते हैं, मैं आपको स्थिरता को सिर्फ अपने करियर के लिए एक लक्ष्य से ज्यादा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती हूं। इसे अपने लोकाचार का आधार बनने दें। आपके द्वारा लिए गए हर निर्णय का पर्यावरण, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर प्रभाव पड़ता है। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, याद रखें कि आपका नेतृत्व केवल व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के बारे में नहीं है, बल्कि दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने के बारे में है। भविष्य आपके हाथों में है, और एक स्थायी दुनिया बनाने की जिम्मेदारी आप पर है।

ईमानदारी से नेतृत्व करें, शैक्षणिक नहीं रहा। यह एक गहन आइआइएम के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष पुनीत डालमिया ने कहा कि आपका यह सफर केवल व्यक्तिगत विकास का रूपांतरणकारी अनुभव रहा है। यहां से मिली शिक्षा न केवल हालात के अनुकूल होने, **बल्कि नेतृत्व करने और** नवाचार करने की क्षमता भी दी है। आपको आलोचनात्मक सोच, अनिश्चितताओं को स्वीकारने और प्रभावशाली समाधान खोजने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ नेतृत्व करें और समाज को अपना योगदान देना न भूलें। आइआइएम के निदेशक प्रो. राम कुमार ककानी ने संस्थान का प्रगति रिपोर्ट पेश किया। समारोह में 595 छात्रों को उपाधि, नौ छात्रों को पीएचडी की उपाधि दी गई।

इन छात्रों को मिला स्वर्ण पदक

- शुभम कुमार सिंह को बीओजी चेयरपर्सन स्वर्ण पदक।
- सम्भ्रांत डैश को निदेशक स्वर्ण पदक।
- बनानी सरकार को पीजीपी चेयरपर्सन पदक।
- सबिताब्रत चटर्जी को सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए पदक प्रदान किया गया।
- ई-एमबीए में प्रियम भारद्वाज को बीओजी चेयरपर्सन स्वर्ण पदक।
- इशानी पाल को निदेशक स्वर्ण पदक।
- ब्योमकेश मजूमदार को ईपीजीपी चेयरपर्सन पदक।

अच्छा अंक लाने कक्षा में बैठकर पढ़ाई करना जरूरी

शुभम कुमार सिंह।

शुभम कुमार सिंह को बीओजी चेयरपर्सन स्वर्ण पदक मिला है। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं में अच्छे अंक लाने के लिए कक्षा में बैठकर पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। मैंने कभी गोल्ड मेडल या टाप करने के लिए पढ़ाई नहीं की। एक से डेढ़ घंटे की क्लास में फोकस करके पढ़ाई की। घर पर सिर्फ रिवीजन करता था। मैंने पढ़ाई की और कैंपस प्लेसमेंट हो गया है, कन्फर्म लेटर आना बाकी है। मां शिक्षिका और पापा वकील है।

पढ़ाई का मिला अच्छा माहौल इंजीनियरिंग के बाद जाब किया

बनानी सरकार।

बनानी सरकार को पीजीपी चेयरपर्सन स्वर्ण पदक मिला है। असम की रहने वाली बनानी ने बताया कि यहां पर पढ़ाई का अच्छा माहौल मिला। इंजीनियरिंग करने के बाद कंपनी में जाब किया। वहां पर मुझे महसूस हुआ कि आगे बढ़ने के लिए मैनेजमेंट की पढ़ाई जरूरी है। साथ में काम करने वाले बहुत सारे साथी एमबीए किए हुए थे। मैंने कैट की परीक्षा दी। मेरा चयन आइआइएम में हो गया। प्लेसमेंट भी हो गया है। पिता विनय सरकार वकील और मां शीला सरकार गृहणी है।

कालेज के सभी कार्यक्रमों में लिया हिस्सा

सबिताब्रत चटर्जी।

सबिताब्रत चटर्जी को सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए स्वर्णपदक मिला है। कोलकाता के रहने वाले सबिताब्रत ने बताया कि कालेज की प्रत्येक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। मुझे सितार बजाना पसंद है। क्रिकेट भी खेलता हूं। द्वितीय वर्ष की पढ़ाई के दौरान प्रथम वर्ष के छात्रों को वाणिज्य पढ़ाता था। कालेज के सीएसआर वलब में भी सक्रिय रहा। पढ़ाई के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हिस्सा लेना चाहिए। मां मीनू चटर्जी केमिस्ट है।

Nai Dunia, 16 April 2025, P.01 (Naidunia city).jpg